Title: Request to increase the allocation in the Tenth Five Year Plan to meet the power supply demands of Uttar Pradesh.

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल (वाराणसी) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया । बंगाल की खाड़ी में हवा का दबाव कम होने के कारण मानसून अवरुद्ध हुआ है। भारत में अनेक राज्यों सहित, उत्तर प्रदेश और विशेाकर उत्तर प्रदेश के 48 जिलों में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो गई है। चारों तरफ त्राहि-त्राहि मची हुई है और चारे की समस्या भी उत्पन्न हो गई है। ऐसी सूरत में किसानों के लिए केवल नहर और नलकूप का ही सहारा रह गया है। किसान चिन्तित हैं। नहर और नलकूप को संचालित करने के लिए बिजली की आवश्यकता है, लेकिन उत्तर प्रदेश में बिजली आपूर्ति की गम्भीर समस्या है। यद्यपि, भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश के 15 जिलों को सूखाग्रस्त घोाति किया है और बिजली आपूर्ति के लिए 35 करोड़ रुपए देने की बात कही है। मात्र इतनी राशि से उत्तर प्रदेश की बिजली की समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। इस संबंध में मैं आपको आंकड़े देना चाहता हूं - प्रदेश में 97,134 गांव हैं, जिनमें से 40,880 गांवों का विद्युतीकरण अभी तक नहीं हुआ है। इसमें से 39,380 गांवों के विद्युतीकरण के लिए पावर कार्पोरेशन को 4,721 करोड़ रुपए की आवश्यकता है। इसके अलावा इन गांवों में बिजली पहुंचाने के लिए वितरण सब-स्टेशनों के सुदृढ़ीकरण के लिए 1,125 करोड़ रुपए की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त नेडा सुदूर स्थित 1500 गांवों के विद्युतीकरण के लिए 550 करोड़ रुपए की आवश्यकता होगी । सब मिलाकर 6,396 रुपए उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव में बिजली देने के लिए आवश्यक हैं, अर्थात् 1/10 राशि से उत्तर प्रदेश में गांवों का विद्युतीकरण करने का प्रयास किया गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से और खास कर विद्युत मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि उत्तर प्रदेश में विद्युत की आपूर्ति के लिए आगामी दसवीं पंचवर्षीय योजना में धनराशि को बढ़ायें, ताकि उत्तर प्रदेश में बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके ।